रजि. नं.- MPHIN - 31958

त्रिकाल दृष्टि

हिन्दी पाक्षिक समाचार पत्र

सच का दर्पण

वर्ष-1 अंक-8, भोपाल, 16 से 29 फरवरी 2016 पृष्ठ- 8 मूल्य : 2 रूपये www.trikaldrishti.com

रेल बजट - 2016-17

सुरेश प्रभु ने रेल बजट पेश किया

नई दिल्ली। रेल मंत्री सुरेश प्रभु ने 25 फरवरी को लोकसभा में वर्ष 2016-17 का रेल बजट पेश किया तथा भारतीय रेल तंत्र के पुनरुद्धार की जरूरत बताते हुए कहा,''रेलवे की अर्थव्यवस्था पर बोझ बढ़ा है अत: इसकी कार्यप्रणाली और परम्परागत सोच बदलने तथा आय के नए स्रोत ढूंढने की आवश्यकता है।'' उनके अनुसार, इस बजट की मुख्य विशेषता यात्री किराया व माल भाड़ा न बढ़ा कर रेलवे की आय 10 प्रतिशत बढ़ाने की योजना है।

इसके अलावा: यात्रा पूर्णत: दुर्घटना रहित बनाने के लिए 2020 तक सभी मानव रहित रेल फाटक समाप्त किए जाएंगे। महिलाओं के लिए 2437 हैल्पलाइन नं. 182 शुरू करने के अलावा उनके लिए निचली सीटों पर 30 प्रतिशत सीटें आरक्षित रखी जाएंगी तथा स्टेशनों पर बेबी फूड और गर्म दूध उपलब्ध होगा। वरिष्ठ नागरिकों हेतु आरक्षित सीटों की संख्या 50 प्रतिशत बढ़ाने और उनके लिए प्रत्येक रेलगाड़ी में नीचे के 120 बर्थ सुरक्षित रखने की योजना है। यात्री गाडियों की औसत गति 80 कि.मी. प्रतिघंटा करने, 2020 तक 95 प्रतिशत गाडियां सही समय पर चलाने और हर यात्री को कंफर्म टिकट देने व 7 कि.मी. रोजाना के हिसाब से बड़ी लाइनों का निर्माण पूरा करने की योजना है। 4 नई श्रेणी की गाडियां चलाई जाएंगी। इनमें सभी अनारक्षित डिब्बों वाली लम्बी दूरी की 'अंत्योदय', 130 कि.मी. गति वाली 'तेजस', 3 ए.सी. डिब्बों वाली 'हमसफर' व ए.सी. डबल डैकर 'उदय एक्सप्रैस' शामिल हैं। वर्ष 2019 तक उत्तर-दक्षिण, पूर्व-पश्चिम और पूर्व तटीय माल ढुलाई गलियारा बनाने के अलावा रेल विकास प्राधिकरण का गठन किया जाएगा। हरिद्वार, नासिक, मथुरा हेतु विशेष आस्था एक्सप्रैस रेलगाडियां चलाई जाएंगी और इन स्टेशनों का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। जरूरतमंदों के लिए व्हील चेयर की ऑन लाइन बुकिंग होगी और ब्रेल आधारित कोच बनाए जाएंगे। ए.सी. कोचों में डस्टबिन लगाने, शताब्दी व राजधानी गाडियों के कोच बेहतर बनाने, लम्बी दूरी की गाडियों में 3-4 अतिरिक्त कोच जोडने, कोचों को नए सिरे से डिजाइन और ए.सी. गाडियों के लिए ऑटो डोर लगाने, रेलगाडियां जी.पी.एस. प्रणाली से लैस करने

2020 तक जनता जब चाहेगी तब मिलेगा टिकट

रेल मंत्री सुरेश प्रभु 11.30 बजे संसद पहुंचे। उन्होंने साल 2016 का बजट पेश करना शुरू कर दिया है। बजट पेश करने से पहले रेल मंत्री ने रेल भवन में कहा, 2020 तक टिकटिंग सिस्टम को और बेहतर कर दिया जाएगा। लोग जब चाहेंगे उन्हें टिकट मिलेगा।

और यात्रियों को ताजा भोजन उपलब्ध करने के लिए 408 स्टेशनों पर ई-कैटरिंग सेवा शुरू करने का प्रस्ताव है। 5 स्टेशनों को मॉडल रेलवे स्टेशनों में बदला जाएगा और निजी भागीदारी से 400 स्टेशनों का विकास किया जाएगा और नई दिल्ली में रिंग रेल सेवा बहाल करने व 21 स्टेशन बनाने के अलावा मुम्बई में प्लेटफार्म ऊंचे किए जाएंगे। रेलगाडियों में 30,000 बायो टॉयलैट बनाने, एस.एम.एस. द्वारा स्वच्छता सेवाएं प्रदान करने और इस वर्ष 100 व अगले 2 वर्षों में 400 रेलवे स्टेशनों पर मुफ्त वाई-फाई सुविधा उपलब्ध कराने की योजना है। स वर्ष 40 नई रेल परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। 'मेक इन इंडिया' के अंतर्गत 2 नए रेल इंजन कारखाने लगाए जाएंगे। टिकटों के लिए कतार की समस्या समाप्त करने के लिए 1780 टिकट वैंड्डग मशीनें लगाई जाएंगी और तत्काल टिकट बुकिंग काऊंटरों पर सी.सी.टी.वी. कैमरे लगाए जाएंगे। टिकट रिजर्वेशन आसान बनाने के लिए स्मार्ट कार्ड, मोबाइल एप जैसी सुविधाएं दी जाएंगी और 139 नम्बर पर कॉल करके टिकट रद्द भी किया जा सकेगा। बड़े ठेकों में पारदर्शिता हेतु निविदा प्रणाली ऑन लाइन की जाएगी। 1600 कि.मी. रेल लाइनों का बिजलीकरण किया जाएगा। वड़ोदरा में रेलवे विश्वविद्यालय बनाया जाएगा। इन योजनाओं को सिरे चढ़ाने के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम ने उदार शर्तों पर 1.5 लाख करोड़ रुपए का निवेश करने के अलावा 124 सांसदों ने सांसद निधि से योगदान देने का वायदा किया है।

जाट: आरक्षण कानून व्यवस्था कायम न रखने के आरोप में आईजी और दो डीआईजी सस्पेंड

चंडीगढ़। हरियाणा के रोहतक में जाट आरक्षण आंदोलन की गाज आईजी श्रीकांत जाधव, डीएसपी अमित दहिया और अमित भाटिया पर गिरी है। हरियाणा सरकार ने तीनों अफसरों को सस्पेंड कर दिया है। अफसरों पर जाट आरक्षण के दौरान कानून व्यवस्था कायम न रख पाने का आरोप है। सांपला में रैली को लेकर पुलिस व अफसर लापरवाह बने रहे जाधव की जगह पंचकुला के आईजी प्रशासन संजय कुमार को रोहतक का कार्यभार सौंपा गया है। हरियाणा सरकार ने रोहतक रेंज के आईजी श्रीकांत जाधव को राज्य में जाट आंदोलन के बीच हटा दिया था। जाधव को बाद में मधुबन में आईजी राज्य अपराध रिकार्ड ब्यूरो के तौर पर तैनात कर दिया गया था। हरियाणा सरकार ने भारतीय पुलिस सेवा के दो तथा राज्य पुलिस सेवा (एचपीएस) के आठ अधिकारियों के आज तुरंत प्रभाव से तबादले एवं नियुक्ति के आदेश जारी किए।

संसद में देवी अपमान पर घमासान:

कांग्रेस ने कहा- देवी दुर्गा का अपमान नहीं सहेंगे

नई दिल्ली। जेएनयू में महिषासुर शहादत दिवस पर मानव संसाधन विकास मंत्री स्मृति ईरानी के बयान पर फिर संसद में शुक्रवार को हंगामा हुआ है। राज्यसभा में देवी अपमान का मुद्दा फिर उठा और कांग्रेस के सदस्य आनंद शर्मा ने कहा कि सदन में दुर्गा का अपमान किया गया और हम देवी दुर्गा का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने स्मृति से इस बयान को लेकर माफी मांगने को कहा। स्मृति इरानी के 'महिषासुर वार' पर बढ़ी तकरार, कांग्रेस ने दुर्गा का अपमान बताया, माफी की मांग की दूसरी तरफ राज्यसभा में स्मृति ईरानी ने इसपर जवाब देते हुए कहा कि मैं भी हिंदू और देवी दुर्गा की उपासक हूं। मैंने सिर्फ विश्वविद्याल का छपा हुआ दस्तावेज पढ़ा था। लेकिन उनके बयान के बावजूद कांग्रेस समेत पूरा विपक्ष उनके माफी मांगने पर अड़ा है। जबकि स्मृति ने माफी मांगने से इंकार कर दिया है।

सिंहस्थ : परिवहन विभाग को न बजट मिला न अमला

उज्जैन। सिंहस्थ के मद्देनजर परिवहन विभाग ने प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा है लेकिन अभी तक स्वीकृति नहीं मिली है। 50 लाख रुपए का बजट विभाग ने तैयार किया है। जिसमें विभागीय कार्यों सहित सिंहस्थ में होने वाले व्यय शामिल हैं। अतिरिक्त अमले की भी मांग अफसरों ने की है मगर अब तक कोई जवाब नहीं मिला है।

सिंहस्थ में परिवहन विभाग के पास प्रमुख जिम्मेदारी वाहनों के सुचारू आवागमन की है। विभाग की ओर से सिंहस्थ के तहत पचास लाख रुपए का प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा गया है। इसके अलावा अफसरों ने अतिरिक्त अमला मांगा है। पिछले दिनों एडिशनल ट्रांसपोर्ट कमिश्नर उज्जैन आए थे। बैठक के दौरान उनके समक्ष अफसरों ने बजट संबंधी मुद्दा उठाया था। उन्होंने आश्वस्त किया था कि जल्द ही बजट प्राप्त होगा। अतिरिक्त अमला भी उपलब्ध करा दिया जाएगा मगर अब तक ऐसा नहीं हुआ।

ई-रिक्शा के परमिट अब तक जारी नहीं

सिंहस्थ संबंधी कार्यों में विभाग पिछड़ गया है। मेला क्षेत्र में 100 ई-रिक्शा चलाने की बात अफसरों ने कही है। ई-रिक्शा चालकों को परमिट अलॉट नहीं हुए हैं। बिना परमिट ही ई-रिक्शा को दौड़ाया जा रहा है। दूसरी ओर मेले के लिए मैजिक और सिटी बसों के लिए नए रूट बन चुके हैं। मगर अधिकारी किराया सूची तय नहीं कर पाए हैं।

-सिंहस्थ के लिए बजट का प्रस्ताव तैयार कर भेज चुके हैं। उम्मीद है जल्द ही बजट और अतिरिक्त अमला प्राप्त हो जाएगा।

200 करोड़ के ब्रिज तैयार

सिंहस्थ में आने वाले तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए शहर में 200 करोड़ लागत से रेलवे ओवरब्रिज व पुल बनकर तैयार हो गए हैं। जीरो पाइंट ओवरब्रिज का लोड टेस्ट 27 फरवरी को संभावित है। इसके अलावा दो-तीन पुलों पर अंतिम दौर के काम चल रहे हैं। लोग इन ओवरब्रिज व पुल पर से गुजरने के लिए उत्सुक हैं। संभावना है कि एक मार्च से सभी पर गाड़ियां चलने लगेंगी। इस बार शहर में चार रेलवे ब्रिज बनाए गए हैं। इनमें सबसे पहले जीरो पाइंट रेलवे ओवरब्रिज का काम शुरू किया गया था। इसके रेलवे वाले हिस्से पर भी सेतु संभाग ने ही काम कराया है। शेष ओवरब्रिज पर रेलवे वाले हिस्से पर रेलवे ने ही काम कराया है। जीरो पाइंट ओवरब्रिज फ्रीगंज क्षेत्र को आगर रोड से तीन स्थानों पर जोड़ेगा। इस कारण लोगों को फ्रीगंज आने-जाने में काफी आसानी होगी। इसलिए लोग भी इसके चालू होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ब्रिज का काम पूरा हो चुका है। इसका लोड टेस्ट भी कराने की तैयारी शुरू कर दी गई है। मार्च से सभी ब्रिज व पुल से चलेंगी गाड़ियां ओवरब्रिज व पुल तैयार हो चुके हैं। कुछ पुलों पर ही अंतिम दौर के छोटे काम चल रहे हैं, लेकिन सरफेस वाले हिस्से बन चुके हैं। 1 मार्च से सभी ब्रिज व पुल पर से गाड़ियां चलाई जा सकेंगी।

अखाड़ ने किया नगर प्रवेश

पंच दशनाम जूना अखाड़े के संतों ने रविवार को सादगी के साथ नगर प्रवेश किया। अव्यवस्थाओं के बीच देर रात तक हजारों संत नीलगंगा पहुंचे। पढ़ाव स्थल पर अखाड़े के संतों ने सभी का स्वागत किया। जूना के साथ पंच दशनाम आवाहन अखाड़ा के संत भी वाराणसी से उज्जयिनी पहुंचे और सिंहस्थ का बिगुल फूंका। अखाड़े के तीन संतों के निधन के कारण नगर प्रवेश सादगी के साथ हुआ।

पहली बार 75 फीसदी बच्चे पहुंचे पोलियो की दवा पीने, स्वास्थ्य विभाग का दावा

इंदौर। स्वास्थ्य विभाग का दावा है कि इस बार पल्स पोलियो अभियान में बड़ी सफलता मिली है। 18 साल पहले अमिताभ बच्चन के विज्ञापन के बाद 80 फीसदी लक्ष्य पूरा हुआ था। उसके बाद पहली बार इस साल आंकड़ा 75 फीसदी पार हुआ है। इसके पहले 65-70 फीसदी के बीच लक्ष्य की पूर्ति रिकार्ड हुई है। रविवार को पल्स पोलियो अभियान के तहत जिले में तकरीबन 4 हजार पोलियो बूथ बनाए गए थे। यहां 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई गई। रविवार को जिन सेंटर पर कर्मचारी नहीं होने या दवा नहीं पहुंचने के कारण दवा नहीं पिलाई गई थी, वहां सोमवार को घर-घर जाकर दवा पिलाई गई। स्वास्थ्य विभाग का दावा है कि जब पल्स पोलियो के प्रति जागरुकता बढ़ाने के लिए अभिनेता अमिताभ बच्चन ने टेलीविजन पर विज्ञापन किए थे तब 80 फीसदी बच्चों को दवा पिलाई गई थी।

तीन डिग्री गिरा रात का पारा, हफ्तेभर से तापमान में उतार-चढ़ाव जारी

इंदौर। सप्ताहभर से दिन के तापमान में उतार-चढ़ाव जारी है। कभी तापमान 34 डिग्री पर पहुंच जाता है तो कभी 27-28 डिग्री तक गिर जाता है। यही हाल रात के तापमान का भी है। इससे सेहत का तापमान गड़बड़ा रहा है। घर-घर में सर्दी, खांसी, बुखार के मरीज बढ़ गए हैं। सोमवार को दिन का तापमान 29.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ, जबकि न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। रविवार का न्यूनतम तापमान 18.2 डिग्री दर्ज हुआ था। मौसम विभाग का अनुमान है कि मंगलवार को भी बादल छा सकते हैं। दिन और रात के तापमान में भी बढ़ोतरी की संभावना है। हवा की दिशा परिवर्तन से बार-बार तापमान कम ज्यादा हो रहा है।

बुखार को हलके में न लें: बच्चे और बुजुर्ग वायरल की चपेट में ज्यादा आ रहे हैं।

क्राइम } पुलिस के लेक्चर से छात्रों में पॉजिटिव बदलाव देखने को मिल रहे हैं।

स्कूल-कॉलेजों में हर महीने होंगे साइबर क्राइम के लेक्चर

इंदौर। पुलिस समय-समय पर शहर के स्कूल-कॉलेजों में जाकर छात्रों को साइबर क्राइम के लेक्चर देती रही है, लेकिन हर संस्थान को इसका फायदा नहीं मिल रहा। पिछले सालों में हुए पुलिस के लेक्चर से छात्रों में पॉजिटिव बदलाव देखने को मिल रहे हैं। शहर के स्कूलों के पास पेरेंट्स से पॉजिटिव रिस्पांस मिल रहे हैं। शहर के ज्यादातर छात्रों से पुलिस अधिकारी रूबरू हो सकें, इसके लिए स्कूल और पुलिस मिलकर अब हर महीने लेक्चर करने की तैयारी कर रहे हैं।

इंदौर पुलिस अब तक स्कूलों और कॉलेजों में जाकर छात्रों को साइबर क्राइम की क्लास देती रही है, लेकिन अब छात्र और स्कूल आगे बढ़कर लेक्चर की मांग कर रहे हैं। कई स्कूल और कॉलेज, पुलिस के उच्च अधिकारियों को आमंत्रित करने लगे हैं। दरअसल छात्रों को अधिकारियों से कई सीख मिल रही हैं। अपराध और पुलिस की भूमिका को लेकर छात्रों के मन में उठ रहे सवालों का भी बेहतर जवाब मिल रहा है। संस्थानों के पास पेरेंट्स से बेहतर फीडबैक मिल रहे हैं।

2 हजार छात्रों को मिल चुका फायदा

पुलिस के साइबर क्राइम लेक्चर से अब तक इंदौर शहर के 2 हजार छात्रों को फायदा मिल चुका है। जिन स्कूलों में अधिकारी पहुंच चुके हैं, वहां पॉजिटिव बदलाव देखने को मिल रहे हैं। साइबर क्राइम के साथ अधिकारी ट्रैफिक नियमों की भी जानकारी दे रहे हैं। इसमें जिन स्कूलों में छात्र बिना लाइसेंस के गाड़ी लेकर आते थे, उन्हें सीख मिली है और ट्रैफिक नियमों का पालन किया जाने लगा है।

छात्रों को ये फायदा

- **सोशल मीडिया से सबसे ज्यादा छात्र जुड़े हैं, इसलिए पुलिस का साइबर क्राइम लेक्चर कारगर सिद्ध हुआ है।**
- **पुलिस के लेक्चर में छात्रों को सवाल करने का मौका मिला है। इससे छात्रों की जिज्ञासा शांत हो रही है।**
- **छोटी उम्र में होने वाले अपराधों को रोकने के रास्ते बताए जा रहे हैं।**
- **पेरेंट्स को भी पुलिस के लेक्चर में शामिल किया जाता रहा है, इसलिए अब सभी स्कूलों में लेक्चर की मांग बढ़ रही है।**

पुलिस को भी फायदा

छात्रों से रूबरू होने का फायदा सिर्फ संस्थानों को ही नहीं बल्कि पुलिस को भी मिल रहा है। सवाल-जवाब सेशन में छात्र पुलिस को लेकर अपने अनुभव शेयर कर रहे हैं और पुलिस की गलतियां भी गिना रहे हैं। अधिकारियों को छात्रों से ऐसी जानकारी भी मिल रही है, जो अपराध कम करने में कारगर हो सकती है। छात्रों के साथ शहर में होने वाले अपराधों को लेकर पुलिस के रवैए पर भी छात्र सवाल उठा रहे हैं। छात्रों से मिल रही प्रतिक्रिया को पुलिस अधिकारी अपने उच्च अधिकारियों तक पहुंचा रहे हैं। इसलिए उठी लेक्चर की मांग इंदौर के छात्रों से पुलिस के उच्च अधिकारी रूबरू नहीं हो पाते थे। अब पुलिस चाहती है कि जनता के बीच जाकर उन्हें क्राइम से बचने की जानकारी दी जाए। पुलिस ज्यादा से ज्यादा जनता को जोड़ने का काम कर रही है। इससे पुलिस को अपराध रोकने में कामयाबी मिल रही है। पुलिस भी चाहती है कि छात्र स्तर पर ही क्राइम और इससे बचने से संबंधित जानकारी अगर छात्रों को दे दी जाए तो कई हद तक भविष्य में अपराधों की संख्या कम हो जाएगी।

पेरेंट्स से मिल रहे बेहतर फीडबैक

इंदौर पुलिस के उच्च अधिकारियों द्वारा छात्रों को साइबर और अन्य अपराधों से बचने के लिए किए गए प्रयास से छात्रों पर बेहतर फर्क पढ़ रहा है। ट्रैफिक को लेकर भी छात्र अवेयर हुए हैं और इसका फर्क कई स्कूलों में देखने को मिल रहा है। पेरेंट्स से भी बेहतर फीडबैक मिले हैं। हर स्कूल के छात्रों को फायदा मिले इसलिए पुलिस से बात कर हर महीने लेक्चर की व्यवस्था करने का प्रयास कर रहे हैं।

प्रदेश में सौर और पवन ऊर्जा के क्षेत्र में अपार संभावनाएँ

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश में सौर और पवन ऊर्जा के क्षेत्र में काम करने की अपार संभावनाएँ हैं। इस क्षेत्र में काम करने वाली कम्पनियों को हरसंभव सहयोग दिया जायेगा। श्री चौहान द्वारा ओआईसी ऑफ कोरिया के प्रतिनिधि-मंडल से चर्चा करी इस मौके पर मुख्य सचिव श्री अंटोनी डिसा एवं अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में काम करने की बहुत संभावनाएँ हैं। इस दिशा में प्रदेश में काम भी हो रहा है। रीवा में विश्व का सबसे बड़ा सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने कहा जो भी व्यक्ति या कम्पनी इस क्षेत्र में काम करने की इच्छुक होगी उसका प्रदेश में स्वागत है। इसमें राज्य शासन द्वारा हरसंभव मदद दी जायेगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि पवन और सौर ऊर्जा के क्षेत्र में कार्य करने के लिये प्रदेश में अनुकूल माहौल है तथा सरकार के नियम और प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी हैं। ओआईसी ऑफ कोरिया के चेयरमेन श्री वू यूनली ने प्रदेश में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में कार्य करने में रूचि प्रदर्शित की। उन्होंने बताया कि उनकी कम्पनी सौर पैनल बनाने के क्षेत्र में अग्रणी है। इस दौरान प्रमुख सचिव उद्योग मोहम्मद सुलेमान, प्रमुख सचिव नवीन एवं नवरकणीय ऊर्जा श्री मनु श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री श्री एस.के. मिश्रा और प्रबंध संचालक ट्रायफेक श्री डी.पी. आहूजा मौजूद थे।

जिला पंचायत को दो और जनपद पंचायत को सीधे मिलेंगे एक करोड़

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने त्रि-स्तरीय पंचायत राज संस्थाओं को और अधिक सशक्त बनाने के लिए पंचायतों को व्यापक प्रशासनिक, वित्तीय और राजस्व संबंधी अधिकार देने का निर्णय लिया है। वित्तीय अधिकार अब प्रत्येक जिला पंचायत को दो करोड़ तथा प्रत्येक जनपद पंचायत को एक करोड़ की राशि राज्य वित्त आयोग के द्वारा अनुशंसित शेयर में से सीधे विभाग द्वारा जारी की जाएगी। इस राशि से कौन से कार्य किए जाना है इसका निर्णय संबंधित जिला या जनपद पंचायत द्वारा लिया जाएगा। आवंटित राशि समानुपातिक रूप से प्रत्येक सदस्य में आवंटित करने के लिये पंचायत स्वतंत्र होंगी।

राज्य वित्त आयोग द्वारा अनुशंसित राशि तथा स्टाम्प शुल्क की निर्धारित राशि का आवंटन जिला / जनपद पंचायतों को मापदण्ड बनाकर किया जाएगा। इस राशि का व्यय जिन कार्यों पर किया जाना है उसकी प्राथमिकता संबंधित संस्था द्वारा तय की जाएगी ताकि गुणवत्तापूर्ण स्थाई परिसंपत्ति का निर्माण हो सके। राज्य शासन से प्राप्त होने वाली जन-भागीदारी की राशि आनुपातिक रूप से जिला पंचायत को उपलब्ध करवायी जायेगी। प्रशासनिक अधिकार स्थानांतरण के फलस्वरूप ग्राम पंचायत सचिवों को बार-बार सचिव के रूप में अधिसूचित करने की आवश्यकता नहीं होगी।

हनुवंतिया क्षेत्र का तेजी से होगा विकास

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने हनुवंतिया एवं पुरनी गाँव के ग्रामीणों से चौपाल पर चर्चा की। उन्होंने जल-महोत्सव स्थल के नजदीक बसे गाँव में खाट पर बैठकर ग्रामीणों की समस्याएँ सुनी तथा उनकी माँग पर हनुवंतिया में माध्यमिक विद्यालय खोलने और नवीन माध्यमिक विद्यालय भवन की स्वीकृति दी। हनुवंतिया की पेयजल समस्या के निदान के लिए गाँव में एक अतिरिक्त ट्यूबवेल तथा मोटर लगवाने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने ग्राम पुरनी में चौपाल चर्चा में गाँव में हाई स्कूल एवं पेयजल योजना की क्षमता बढ़ाकर पेयजल के लिए फिल्टर प्लांट की भी मंजूरी दी।

आदिवासी कन्या के विवाह में हुए शामिल

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पुरनी में एक आदिवासी कन्या आरती के विवाह समारोह में शामिल होकर वर-वधू को आशीर्वाद दिया। मुख्यमंत्री ने पुरनी के सभी वास्तविक गरीबों के नाम से बीपीएल कार्ड जारी करने तथा गरीब परिवारों की सूची में उनके नाम जोड़ने एवं अपात्र लोगों के नाम हटाने के लिये एक बार पुन: सर्वे करने को कहा। उन्होंने इसके लिए विशेष शिविर लगाने के निर्देश दिये। इस दौरान पर्यटन विकास निगम के प्रबंध संचालक श्री हरिरंजन राव, कमिश्नर इंदौर, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, कलेक्टर सहित विभिन्न विभाग के अधिकारी उनके साथ थे।

तीन बार किया हनुवंतिया का दौरा

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हनुवंतिया पर्यटक स्थल के रूप में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना सके इसके लिए वे स्वयं प्रयासरत हैं। एक माह में तीन बार हनुवंतिया का दौरा करने से न केवल प्रदेश बल्कि देश तथा विदेश में भी हनुवंतिया टूरिस्ट सेंटर का व्यापक प्रचार-प्रसार हुआ है। श्री चौहान ने कहा कि हनुवंतिया में पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी तो स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार के अवसर और उनकी आय के साधन भी बढ़ेंगे। इससे क्षेत्र के ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार होगा। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से चर्चा कर सार्वजनिक वितरण प्रणाली में शक्कर, गेहूँ, चावल और नमक के वितरण की जानकारी ली।

नैतिक का उपचार करायेगी राज्य सरकार

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने हनुवंतिया में सपत्नीक बैलगाड़ी की सवारी की। बैलगाड़ी हाँकने वाले पंढरी सिंह भिलाला निवासी जलकुँआ मुख्यमंत्री से मिला तथा उनके साथ फोटो निकलवाया। पंढरी ने मुख्यमंत्री से अपने 3 वर्षीय पौते नैतिक को मिलवाया तथा उसके जले चेहरे और अन्य अंगों की प्लास्टिक सर्जरी करवाने में सहायता की माँग की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इन्दौर भेजकर नैतिक का उपचार राज्य सरकार के खर्चे पर करवाने के निर्देश दिये।

विकास

आगामी शिक्षण सत्र से अनुसूचित-जाति के छात्रों को सरकारी कॉलेजों में शुल्क नहीं लगेगा

मैहर में राज्य-स्तरीय संत रविदास महाकुंभ में मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि अगले शैक्षणिक सत्र से अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को सरकारी कॉलेजों में कोई फीस नहीं देनी होगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सतना जिले के मैहर में राज्य शासन द्वारा संत शिरोमणि रविदास जी की जयंती पर आयोजित महाकुंभ और राज्य-स्तरीय जयंती समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। तकनीकी और मेडिकल कॉलेजों मे पढ़ने वाले विद्यार्थियों की फीस भी सरकार भरेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के चयनित स्थानों पर संत रविदास श्रद्धा केंद्र स्थापित होंगे। इन केन्द्र में संतजी के साहित्य को रखा जायेगा। मुख्यमंत्री ने दो पुरस्कार की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति वर्ग के सफल उद्यमियों को 5 लाख रूपये का संत रविदास कर्मठ उद्यमी पुरस्कार दिया जायेगा। इसी तरह सभी वर्गों के लिये 2 लाख रूपये का सामाजिक समरसता पुरस्कार प्रारंभ करने की भी उन्होंने घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत रविदास की जयंती पर राज्य शासन द्वारा हर वर्ष महाकुम्भ का आयोजन किया जायेगा। प्रसिद्ध शारदा माता मंदिर की पहाड़ी के समीप संत रविदास आश्रम में संत रविदास जी का भव्य मंदिर बनाया जायेगा और भक्त श्रद्धालुओं के लिये सर्वसुविधायुक्त सामुदायिक भवन आश्रय केन्द्र बनाया जायेगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि निराश, दलित और पीड़ित वर्ग में नव-जीवन, आशा और उत्साह भरने वाले संतों में, संत शिरोमणि रविदास अग्रणी हैं। उनकी शिक्षाएँ दिशाहीन मानव को उचित मार्ग बताने की पूरी सामर्थ्य रखती है। वे जाति-पांति, ऊँच-नीच की संकीर्ण विचारधारा को त्यागने के लिये समाज को प्रेरित करने वाले महान संत थे।

मुख्यमंत्री ने अनुसूचित जाति वर्ग के कल्याण की शासकीय की योजनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आगामी शिक्षण सत्र से अनुसूचित-जाति के छात्र-छात्राओं को प्रदेश के सभी शासकीय कॉलेजों में नि:शुल्क शिक्षा दी जायेगी। उनसे शिक्षण शुल्क नहीं लिया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत रविदास ने कहा था कि सभी व्यक्तियों को अन्न मिलना चाहिये और बिना किसी भेदभाव के सामाजिक समरसता स्थापित होनी चाहिये। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का भी यही मत था। मध्यप्रदेश सरकार ने दोनों महापुरूषों की शिक्षाओं को अमल में लाने का पूरा प्रयास किया है। प्रदेश में सभी गरीबों और अनुसूचित जाति-जनजाति के सभी परिवारों को एक रूपया किलो गेहूँ, चावल एवं नमक राशन दुकान से दिया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीबी रेखा के नीचे की सूची में नाम शामिल करवाने से छूट गये गरीब परिवारों एवं व्यक्तियों के नाम मैहर में अभियान चला कर शामिल किये गये थे। मैहर माडल को पूरे प्रदेश में लागू किया जायेगा। उन्होंने कहा जो गरीब परिवार जिस शासकीय भूमि में कई वर्षों से अस्थायी आवास बना कर रह रहा है उसे उस जमीन का आवासीय पट्टा दिया जायेगा। इतना ही नहीं उन्हें स्वयं का मकान बनाने के लिये सरकार मदद देगी। सन् 2022 तक कोई भी गरीब बिना मकान के नहीं रहेगा।

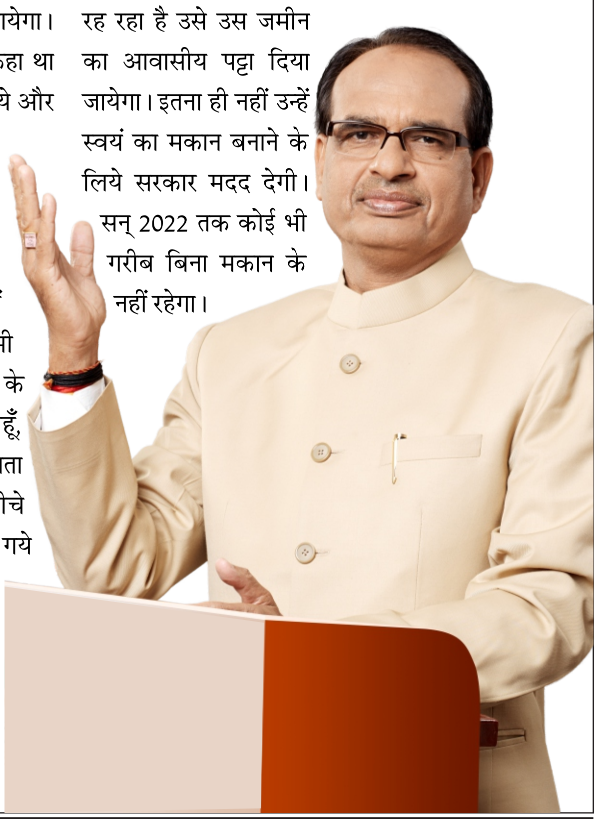

सम्पादकीय

प्रभु की लीला

बजट लोकलुभावन दिखे, इस इरादे से, किराए और मालभाड़े में पहले ही बढ़ोतरी यूपीए सरकार के समय भी हुई थी। इस पर विरोध जताते हुए नरेंद्र मोदी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को पत्र लिखा था। पर खुद उनकी सरकार ने भी वही किया है।

नए रेल बजट ने 2020 तक पूरा किए जाने वाले लक्ष्यों को भी प्रदर्शित करने में कोई संकोच नहीं किया है। मसलन, 2020 तक हर यात्री को कन्फर्म टिकट मिलेगा। पांच साल बाद कोई रेलवे क्रॉसिंग बिना चौकीदार के नहीं होगी। इस बार के रेल बजट में महिलाओं और बुजुर्गों का खास खयाल रखा गया है। उनके लिए लोअर बर्थ में कोटा बढ़ाया जाएगा। महिला मुसाफिरों के लिए चौबीसों घंटे हेल्पलाइन सेवा होगी। 'स्वच्छ रेल स्वच्छ भारत अभियान' के तहत एसएमएस कर सफाई के लिए मुसाफिर कह सकते हैं। बंदरगाहों तक रेललाइन ले जाने और पूर्वोत्तर को रेल से जोड़ने को प्राथमिकता देने की बात कही गई है। ढाई हजार किलोमीटर तक ब्रॉडगेज का ठेका देने और चार सौ स्टेशनों के पुनर्विकास का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पर पहले के रेल बजटों को याद करें, तो इस बार ज्यादा बड़ी घोषणाएं नहीं हैं। तमाम चर्चा के बावजूद इस बार भी बुलेट ट्रेन का कोई जिक्र नहीं है। इसके बजाय सामान्य से ज्यादा रफ्तार वाली ट्रेनें चलाने तथा ट्रेनों की रफ्तार बढ़ाने पर रेल मंत्रालय ने अपना ध्यान केंद्रित किया है। अंत्योदय, हमसफर, तेजस और उदय नाम की चार नई ट्रेनें चलाई जाएंगी। इनमें से अंत्योदय पूरी तरह अनारक्षित बोगियों वाली ट्रेन होगी, और यह स्वागत-योग्य है। पर दूसरी ट्रेनों में जनरल बोगियों की तादाद बढ़ाने का फैसला सरकार ने क्यों नहीं किया, जिसकी मांग लंबे समय से उठती रही है। रेलवे हमारे देश में सार्वजनिक परिवहन की सबसे बढ़ी सेवा है।

अमूमन ट्रेनों के फेरे और दूरी बढ़ाने, रेलमार्गों का विस्तार करने तथा नई रेलगाड़ियां चलाने की घोषणाएं हर रेल बजट का अहम हिस्सा होती रही हैं। पर इस बार भी रेल बजट ने इससे परहेज किया है। इस मायने में यह एक फीका रेल बजट है। अलबत्ता रेलमंत्री सुरेश प्रभु ने गुरुवार को पेश किए अपने दूसरे बजट में किराए में कोई बढ़ोतरी नहीं की है। खुद रेलमंत्री ने स्वीकार किया है कि रेलवे संसाधनों की कमी से जूझ रहा है। ऐसे में किराए यथावत रहने से तमाम लोगों ने राहत की सांस ली होगी। पर क्या यह सचमुच राहत है? सरकार पहले ही, नवंबर में ऊंचे दर्जे के किराए में चार फीसद की बढ़ोतरी कर चुकी है। फिर तत्काल टिकट की कीमत बढ़ाई गई, तत्काल का दायरा दस फीसद से बढ़ा कर तीस फीसद कर दिया गया, टिकट रद्द कराने पर दोगुना शुल्क लगाने की घोषणा की गई। पहले से मिल रही बहुत-सी रियायतों में कटौती कर दी गई। इस सब के लिए बजट का इंतजार करना जरूरी नहीं समझा गया। रोजाना दो से ढाई करोड़ लोग इससे सफर करते हैं। पर इसका तंत्र चाहे जितना विशाल हो, पर्याप्त दुरुस्त नहीं है। तकनीकी खामी से लेकर अनुशासन की कमी तक, रेलवे के कामकाज में अनेक गंभीर खामियां हैं, जिनकी कीमत कई बार हादसों के रूप में चुकानी पड़ती है। हर बार की तरह इस बार के रेल बजट में भी रेल यात्रा को सुरक्षा और सुविधा के लिहाज से बेहतर बनाने का भरोसा दिलाया गया है। पर रेलमंत्री ने यह बताना जरूरी क्यों नहीं समझा कि पिछली बार जो घोषणाएं की गई थीं उनमें से कितनी पूरी हो सकी हैं।

- पराग वराडपांडे

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रमुख बिन्दु

फसल बीमा में यह सरकार की अब तक की सबसे बड़ी मदद है

किसानों के लिये यह अब तक की सबसे कम प्रीमियम दर होगी। शेष भारत सरकार द्वारा वहन किया जायेगा-90 प्रतिशत से ज्यादा होने पर भी।

खाद्यान्न, दलहन, तिलहन फसलों के लिये एक मौसम, एक दर होगी-जिलेवार और फसलवार अलग-अलग दर से अब मुक्ति मिलेगी-खरीफ : सिर्फ 2 प्रतिशत-रबी: सिर्फ 1.5 प्रतिशत। इसके अलावा सालाना बागवानी/व्यावसायिक फसल के लिये प्रीमियम की दर ज्यादा से ज्यादा 5 फीसदी की गयी है। ये दरें पहले से काफी कम हैं।

बीमा पर कोई कैपिंग नहीं होगी और इसके कारण दावा राशि में कमी या कटौती भी नहीं होगी।

पहली बार जल भराव को स्थानीय जोखिम में शामिल किया गया है। पहली बार देशभर में फसल कटाई के बाद चक्रवात एवं बेमौसम बारिश का जोखिम भी शामिल किया गया है। पहली बार सही आकलन और शीघ्र भुगतान के लिये मोबाइल और सेटेलाइट टेक्नालॉजी के व्यापक उपयोग पर जोर दिया गया है।

आने वाली खरीफ फसल से यह योजना लागू हो जायेगी। पहले की योजनाओं में अधिक प्रीमियम होने पर बीमित राशि की सीमा तय करने से नुकसान होने पर भरपाई की रकम भी कम हो जाया करती थी, इसलिये नई योजना में इस प्रावधान को समाप्त कर दिया गया है। अब किसानों को बीमित राशि की पूरी रकम के अनुसार पूरा हर्जाना मिल सकेगा।

योजना में निम्न जोखिम कवर किये गये हैं-

उपज नुकसान के आधार पर - इस योजना में आग लगने के अलावा बिजली गिरने, तूफान, ओला पड़ने, चक्रवात, अंधड़, बवंडर, बाड़, जल-भराव, जमीन धँसने, सूखा, खराब मौसम, कीट एवं फसल को होने वाली बीमारियाँ आदि जोखिम से फसल को होने वाले नुकसान को शामिल कर एक ऐसा बीमा कवर दिया जायेगा, जिसमें इनसे होने वाले सारे नुकसान से सुरक्षा प्रदान की जायेगी।

संरक्षित बुआई के आधार पर - अगर बीमित किसान बुआई/रोपाई के लिये खर्च करने के बावजूद खराब मौसम की वजह से बुआई/रोपाई नहीं कर सकते, तो वे बीमित राशि के 25 प्रतिशत तक नुकसान का दावा ले सकेंगे। फसल कटाई के बाद रखी फसल को चक्रवात, बेमौसम बारिश और स्थानीय आपदा जैसे ओलों, जमीन धँसने और जल-भराव से होने वाले नुकसान का अंदाजा प्रभावी खेत के आधार पर किया जायेगा और इसके अनुसार किसानों के नुकसान का आकलन करके दावे तय किये जायेंगे।

यह योजना सभी राज्य सरकारों और संघ शासित क्षेत्रों के लिये स्वैच्छिक है। अतः इस योजना में सभी राज्य और संघ शासित क्षेत्र शामिल हो सकते हैं। राज्य सरकारों/संघ शासित क्षेत्रों द्वारा तय किये गये इलाके में तय की गयी फसल जो अनाज, खाद्यान्न, तिलहन, सालाना व्यावसायिक और बागवानी फसल हो सकती है, उगाने वाले किसान बीमा करवा सकते हैं। नई बीमा योजना तय किये गये क्षेत्र में किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) खाता-धारक किसानों, जिन्हें ऋणी किसान कहा जाता है, के लिये अनिवार्य है तथा अन्य सभी किसान अगर चाहें तो बीमा का लाभ ले सकते हैं। इस योजना में बैंक, केसीसी खाता, जिन्हें ऋणी किसान कहा जाता है, धारक किसानों के लिये जरूरी प्रीमियम, बीमा कम्पनियों के पास अपने आप भेज देते हैं और उन किसानों का बीमा हो जाता है। अन्य सभी किसान निकटतम बैंक या तय की गयी बीमा कम्पनी के स्थानीय एजेंट को प्रीमियम का भुगतान करके फसल बीमा करवा सकते हैं।

SAAP SOLUTION
Explore New Digital World
All Types of Website Designing
(Static Website, Dynamic Website, Ecommerce Site, Responsive/ Adaptive Design, Customer Focused Design)
Logo Designing by Experts
Bulk SMS Services
For more details visit our website saapsolution.com
For enquires contact on 9425313619,
Email: info@saapsolution.com

फैशन इंडस्ट्री में बूम, टेक्सटाइल डिजाइनिंग का बढ़ा स्कोप

टेक्सटाइल डिजाइनिंग व इंजीनियरिंग के सुनहरे भविष्य के मद्देनजर अगर इसे दुनिया की एक बढ़ी उभरती हुई इंडस्ट्री कहा जाए, तो गलत नहीं होगा। भारत में टेक्सटाइल सेक्टर के तहत करियर की ओर नई संभावनाएं बढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं। टेक्सटाइल इंडस्ट्री के लिए सरकार की संशोधित टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन फंड स्कीम से टेक्सटाइल सेक्टर में करीब एक लाख करोड़ रुपए का निवेश होने और 30 लाख लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है।

क्रिएटिव और टेक्निकल काम

फैशन इंडस्ट्री में आए भारी बूम के कारण वर्तमान में टेक्सटाइल डिजाइनिंग में काफी विविधता देखी जा रही है। वस्त्रों में अनोखापन लाने के लिए विभिन्न तरीकों का उपयोग हो रहा है, जिसके लिए टेक्सटाइल डिजाइनर में सृजनात्मक योग्यता तथा बेहतर तकनीकी ज्ञान एक अनिवार्य पहलू है। टेक्सटाइल डिजाइनिंग के अंतर्गत विविध फैब्रिक्स का निर्माण नवीनतम तकनीकों और प्रक्रियाओं का प्रयोग करते हुए किया जाता है। इस इंडस्ट्री के तीन प्रमुख विभाग हैं। रिसर्च एंड डेवलपमेंट, मैन्युफैक्चरिंग और मर्चेंडाइजिंग। भारत में टेक्सटाइल उद्योग के दो बड़े क्षेत्र हैं। एक हैंडलूम क्षेत्र है, जिसे अनऑर्गेनाइज्ड जोन के रूप में भी जाना जाता है और दूसरा मैकेनाइज्ड क्षेत्र है, जिसे ऑर्गेनाइज्ड क्षेत्र के रूप में हम जानते हैं। दोनों ही क्षेत्र अपनी अलग-अलग अहमियत रखते हैं और समान रूप से प्रगति कर रहे हैं।

क्या सीखना होगा?

एक टेक्सटाइल डिजाइनर को सूत बनाने के ज्ञान के अलावा कपड़ा बुनने, बांधने और रंगने की तकनीक का उम्दा ज्ञान होना बहुत जरूरी है। विभिन्न प्रकार के करघों का ज्ञान, बुनाई तथा मशीन व प्रिंटिंग का ज्ञान भी इसमें अपेक्षित है। टेक्सटाइल डिजाइनर वस्त्र छपाई, रंगाई, कशीदाकारी तथा डिजाइन विकास में प्रशिक्षित होता है। वह कपड़े के रेशे व सूत के इतिहास के विषय में अध्ययन करता है व जानकारी प्राप्त करता है। उसके लिए तकनीकी ज्ञान भी जरूरी माना जाता है, जैसे करघे को चलाना, विभिन्न प्रकार के सांचों को आपस में मिलाना आदि। टेक्सटाइल डिजाइनर अपने विचार को वास्तविकता में बदलने से पहले कपड़े की गुणवत्ता के संदर्भ में अपने मौलिक ज्ञान का उपयोग करता है। फैशन ट्रेंड, लोकप्रिय रंग, सूत आदि की समझ भी इस क्षेत्र में करियर बनाने हेतु बहुत जरूरी है। टेक्सटाइल डिजाइनिंग में व्यापार से संबंधित बातों का पूर्व आकलन किया जाता है क्योंकि उत्पाद को बाजार में लाने में लगभग वर्ष भर का समय लग जाता है। डिजाइनर को अपने रचनात्मक कौशल से बाजार के मुताबिक डिजाइन प्रस्तुत करना होता है। मौलिक विचार के लिए उसे एक खाका भी बनाना होता है। एक टेक्सटाइल डिजाइनर डिजाइनिंग के खाके और रंगाई के अलावा अन्य बहुत-से पहलुओं पर काम करता है। डिजाइन स्टूडियो में नमूना तैयार करने में लंबा समय लगता है। नई डिजाइन तैयार करने से पहले कपड़े की पृष्ठभूमि तथा डिजाइन की अवधारणा को समझना होता है क्योंकि किसी उत्पाद की सफलता या असफलता इन्हीं बातों पर निर्भर करती है। टेक्सटाइल डिजाइनर को रंग की अवधारणा के विषय में अच्छा ज्ञान होना चाहिए। इसके अलावा चित्रांकन तथा रचनातमक कौशल का होना भी जरूरी है।

शैक्षणिक योग्यता

इस क्षेत्र में लंबे समय तक काम करना पड़ता है। इसलिए व्यक्ति का परिश्रमी होना अति आवश्यक है। डिजाइनर में फैशन बोध का होना भी जरूरी है तथा उपभोक्ता बाजार की जरूरत के विषय में भी उसे ज्ञान होना चाहिए। आपमें समस्याओं के समाधान और नई योजनाओं के निर्माण की योग्यता भी होनी चाहिए। शैक्षणिक स्तर पर देखा जाए, तो उम्मीदवार फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स में निपुण होना चाहिए। तार्किक योग्यता, टीम के साथ काम करने की क्षमता, मुश्किलों में संकटमोचक बनने का गुण, कम्प्यूटर दक्षता तथा टेक्निकल डिजाइनिंग में निपुणता आवश्यक है। देश के अनेक पॉलिटेक्निक, इंजीनियरिंग कॉलेज तथा विश्वविद्यालय टेक्सटाइल इंजीनियरिंग व डिजाइनिंग के रोजगारोन्मुखी कोर्स चलाते हैं। स्नातक डिग्री कोर्स, यानी बीई या बीटेक के लिए उम्मीदवार का विज्ञान विषय (गणित) में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ बारहवीं पास होना जरूरी है। आईआईटी संस्थानों में प्रवेश के लिए 60 प्रतिशत अंक जरूरी हैं। बीई/बीटेक करने के बाद उम्मीदवार प्रोफेशनल करियर के क्षेत्र में आगे कदम बढ़ा सकता है या वह एमटेक और पीएचडी के लिए भी आगे अपनी पढ़ाई जारी रख सकता है। तीन वर्षीय टेक्सटाइल इंजीनियरिंग का डिप्लोमा पाठ्यक्रम पोलिटेक्निक संस्थानों में उपलब्ध है। इनमें प्रवेश हेतु शैक्षणिक योग्यता गणित विषय सहित 10वीं पास होना है। प्रवेश हेतु प्री-पॉलीटेक्निक प्रवेश परीक्षा में भी पास होना जरूरी है। टेक्सटाइल इंजीनियरिंग व डिजाइनिंग के आईआईटी के पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम (जेईई) देनी होती है। अन्य संस्थान भी प्रवेश परीक्षाओं के माध्यम से ही प्रवेश देते हैं।

ऐसे होता है बैंक में स्पेशलिस्ट ऑफिसर का प्रमोशन

सैलरी कितनी?

टेक्सटाइल डिजाइनिंग के क्षेत्र में जॉब के बहुत उजले अवसर हैं। इस क्षेत्र में डिजाइनर रंग विशेषज्ञ के रूप में कार्य कर सकता है। डिजाइन स्टूडियो, कपड़ा मिल तथा एक्सपोर्ट हाउस आदि में जॉब के अवसर मिल सकते हैं। इसके अलावा डिजाइनर सरकारी तथा निजी फर्म में फ्रीलांसर के तौर पर भी काम कर सकता है।

बेचना है आईटीआई कॉलेज

शिवपुरी के पास पिछोर में बेचना है 2 बीघा जमीन पर स्थापित (16000 sqft building) ITI संस्थान सभी शासकीय परमिशन प्राप्त।

संपर्क करने हेतु
मो. 9826236888, 7509992444

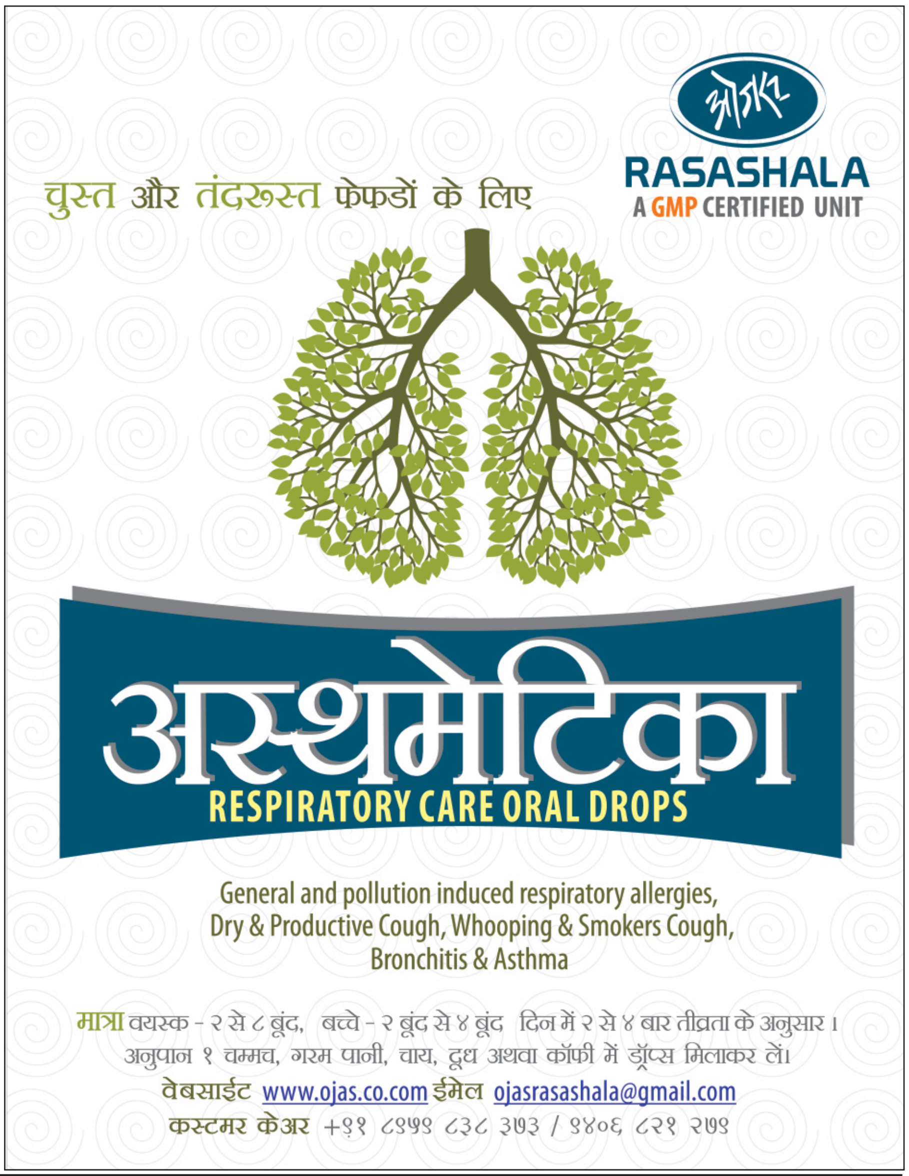

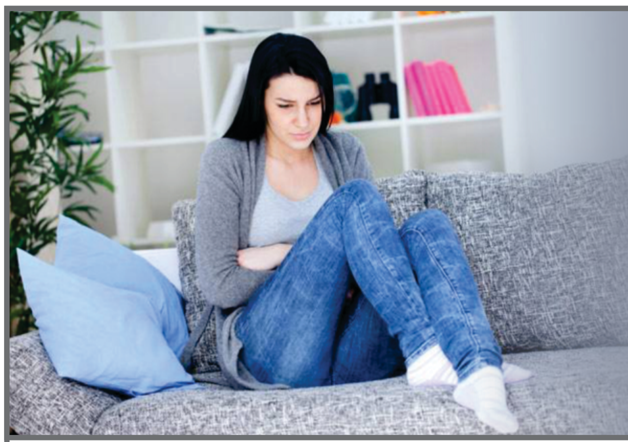

पीरियड्स के दौरान कहीं आपको भी तो नहीं होती ये परेशानी

पीरियड्स के दौरान बहुत अधिक ब्लीडिंग होने से कमजोरी हो जाती है। इस स्थिति को चिकित्सा जगत में menorrhagia नाम से जाना जाता है। हर महिला की पीरियड साइकिल दूसरे से अलग होती है। कुछ की साइकिल पांच दिन की होती है तो कुछ में ये साइकिल सात दिन की भी हो सकती है।

कई महिलाओं को इस दौरान बहुत अधिक दर्द सहना पड़ता है तो कुछ के लिए ये सामान्य होता है। कुछ लोगों में ब्लीडिंग क्लॉट्स के रूप में होती है। ये स्थिति काफी दर्दनाक होती है।

बहुत अधिक ब्लीडिंग होने के कई कारण हो सकते है। अगर आपका वजन बहुत अधिक है या फिर अगर आप कुछ ऐसी दवाइयां लेती हैं जिनसे खून पतला होता है तो हेवी ब्लीडिंग की समस्या हो सकती है। इसके अलावा अगर घर में ऐसा रिकॉर्ड रह चुका है तो ये अनुवांशिक भी हो सकता है।

इसके अलावा हॉर्मोन्स का संतुलन बिगड़ने पर, यूट्स में ट्यूमर होने पर भी ब्लीडिंग अधिक होती है। कुछ मेडिकल कंडिशन्स भी होती है जिनमें पीरियड्स के दौरान ब्लीडिंग अधिक होती है। ज्यादा ब्लीडिंग होने से पूरी दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो जाती है। मानसिक और समाजिक तौर पर भी महिला को काफी अजीब सी परिस्थिति का सामना करना पड़ता है। कई बार स्थिति इतनी बुरी हो जाती है कि महिला को एनीमिया की शिकायत हो जाती है। ऐसी स्थिति में डॉक्टर से तुरंत संपर्क करना चाहिए इसके अलावा ये उपाय भी फायदेमंद रहते हैं:

1. अगर आपको पीरियड्स के दौरान बहुत अधिक ब्लीडिंग की शिकायत है तो आप अपने साथ एक ठंडा बैग रखें। इससे ब्लीडिंग में कमी आएगी। साथ ही दर्द में भी राहत का एहसास होगा। एक तौलिए में बर्फ के कुछ टुकड़े डालकर उसे अच्छी तरह बांध लीजिए। इस पोटली को 15 से 20 मिनट तक पेट पर रखें। इससे आराम होगा।

2. बहुत अधिक ब्लीडिंग होने पर आप सिरके का इस्तेमाल कर सकती हैं। ये शरीर की सारी गंदगी को बाहर कर देता है। साथ हॉर्मोन्स को व्यवस्थित करने का भी काम करता है। एक गिलस पानी में दो से तीन चम्मच सिरका मिलाकर पीने से फायदा होगा।

3. आयुर्वेद के अनुसार, पीरियड्स के दौरान अगर बहुत अधिक ब्लीडिंग हो रही हो तो धनिया के बीजों का इस्तेमाल किया जा सका है। ये हॉर्मोन्स को संतुलित करने में मुख्य भूमिका निभाते हैं। धनिया के बीजों को दो कप पानी में भिगों दीजिए। इसे उबलने के लिए रख दीजिए। जब पानी आधा हो जाए तो उसे उतार लीजिए। इसमें थोड़ी सी मात्रा में शहद मिलाकर पीने से राहत मिलेगी। ऐसा दिन में 2 से तीन बार कीजिए।

4. दालचीनी के सेवन से भी इस समस्या में राहत मिलती है। एक चम्मच दालचीनी को को गर्म पानी में मिलाकर छोड़ दीजिए। इसमें शहद मिलाकर दिन में दो बार पीने से फायदा होता है।

5. महिलाओं के लिए आयरन का विशेष महत्व है। पीरियड्स के दौरान महिलाओं को अधिक से अधिक मात्रा में आयरन लेना चाहिए। 5. खीरा

डायबिटीज के मरीजों के लिए खीरा बेहद फायदेमंद होता है। यह विटामिन के और पोटैशियम से भरपूर होता है। इसमें मौजूद विटामिन सी शरीर की कई आवश्यकताओं की पूर्ति करता है।

डायबिटीज के मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद हैं ये सब्जियां

आज के समय में डायबिटीज एक बड़ी समस्या बन चुकी है। दुनिया की एक-तिहाई आबादी इससे पीड़ित है। हालांकि इसे लेकर जागरूकता की भारी कमी है। डायबिटीज का सबसे बुरा असर इंसान के लाइफस्टाइल पर पड़ता है। हालांकि इस बीमारी का कोई इलाज नहीं है फिर भी परहेज और दूसरे घरेलू उपायों की मदद से इसे नियंत्रित किया जा सकता है।

डायबिटीज के मरीज के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि वे कुछ चीजों का परहेज करें। कोई भी ऐसी चीज न खाएं जिससे ब्लड में शुगर का लेवल बढ़े। एक ओर जहां डायबिटीज का लेवल कई चीजों के सेवन से बढ़ जाता है वहीं कुछ ऐसी सब्जियां भी हैं जिनके सेवन से डायबिटीज को नियंत्रित किया जा सकता है।

1. ब्रोकली

ब्रोकली में पर्याप्त मात्रा में फाइबर पाए जाते हैं। इस लिहाज से ये डायबिटीज के मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद होती है। फाइबर की उच्च मात्रा होने के अलावा इसमें कैलोरीज कम होती हैं और पर्याप्त मात्रा में विटामिन ए व सी होते हैं। डायबिटीज के मरीजों के लिए बेहतर उपाय होने के साथ ही ये वजन घटाने में भी सहायक होता है।

2. गाजर

डायबिटीज के मरीजों को निश्चित तौर पर गाजर का सेवन करना चाहिए। गाजर में बीटा-कैरोटीन पाया जाता है। ये इंसुलिन को नियंत्रित करने का काम करता है।

3. बीन्स

डायबिटीज के मरीजों के लिए बीन्स एक अन्य बेहतर विकल्प हैं। ये प्रोटीन से भरपूर होते हैं। इसके अलावा इसमें पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम, पोटैशियम, विटामिन ए, फोलेट और मैग्नीशियम पाए जाते हैं। ये कार्बोहाइड्रेट को जल्दी तोड़ने का काम करते हैं।

4. पत्तागोभी

पत्तागोभी विटामिन ए और के का एक प्रमुख स्त्रोत है। ये मैगनीज, फाइबर और विटामिन बी 6 का खजाना है। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स डायबिटीज में दवा की तरह काम करते हैं।

एसिडिटी को दूर कर फिट रहने के फॉर्मूले

लाइफस्टाइल डेस्क: आम तौर पर अनहेल्दी लाइफस्टाइल और तले-भुने, मसालेदार खाने की वजह से एसिडिटी की समस्या हो सकती है। पेट में जब सामान्य से ज्यादा एसिड बनती है तो उसे एसिडिटी कहते हैं। इसमें जलन और खट्टी डकार जैसी परेशानियां होती हैं।

1. एसिडिटी होने पर मुलेठी का पाउडर या उसका काढ़ा बनाकर इस्तेमाल करना चाहिए।
2. एसिडिटी होनेपर त्रिफला पाउडर का प्रयोग करने से फायदा होता है। त्रिफला को दूध के साथ पीने से एसिडिटी दूर होती है।
3. दूध में मुनक्का डालकर उबालें। उसके बाद दूध को ठंडा करके पिएं, फायदा मिलेगा।
4. एक गिलास गुनगुनेपानी मेंथोड़ी सी पिसी काली मिर्च तथा आधा नींबू निचोड़कर नियमित रूप से सुबह पीनेसेलाभ होता है।
5. जायफल तथा सोंठ को मिलाकर पाउडर बना लें। इस पाउडर को एक- एक चुटकी लेने से एसिडिटी में लाभ होता है।
6. सौंफ, आंवला व गुलाब के फूलों का पाउडर बनाकर उसे सुबह-शाम आधा-आधा चम्मच लेने से भी लाभ होता है।
7. मूली काटकर उस पर काला नमक तथा काली मिर्च छिड़ककर खाने से भी फायदा होता है।
8. नीम की छाल का पाउडर या रात में भिगोकर रखी नीम छाल का पानी छानकर पीना चाहिए।
9. कच्ची सौंफ चबानेसेभी एसिडिटी मेंलाभ होता है।
10. अदरक और परवल को मिलाकर काढ़ा बनाकर सुबह-शाम पीनेसे एसिडिटी मेंलाभ होता है।
11. सुबह-सुबह खाली पेट गुनगुना पानी पीने से एसिडिटी में फायदा होता है।
12. नारियल का पानी पीने से एसिडिटी की समस्या से छुटकारा मिलता है।
13. लौंग एसिडिटी के लिए बहुत फायदेमंद है। एसिडिटी होनेपर लौंग चूसना चाहिए।
14. गुड़, केला, बादाम और नींबू खानेसेएसिडिटी जल्दी ठीक हो जाती है।

5\. पानी में पुदीने की कुछ पत्तियां डालकर उबाल लें। रोजाना खाने के बाद इस पानी का इस्तेमाल करें।

16\. रात को सोने से तीन घंटे पहले खाना खा लेना चाहिए, जिससे खाना अच्छे से पचे। इन नुस्खों को अपनाने केबाद भी एसिडिटी ठीक न हो, तो डॉक्टर से संपर्क कीजिए।

ऐसे निर्धारित करें पानी की दिशा

फेंग शुई की दुनिया में पानी एक बहुत ही इपॉर्टेंट एलिमेंट है। पानी का स्रोत जीवन में गतिशीलता को दर्शाता है और बताता है कि आपके जीवन की दिशा पर उस स्रोत का क्या असर हो रहा है।

अगर घर या ऑफिस में पानी की जगह ठीक है तो यह आपके जीवन में तरक्की के रास्ते खोल सकता है और अगर नहीं तो इसका आपको खामियाजा भी भुगतना पड़ सकता है। पानी के सही बहाव से घर में समृद्धि और पैसों का बहाव भी अच्छा होता है।

लेकिन हमें इसका पूरा लाा मिले इसके लिए जरूरी है कि हम इस बात का ध्यान रें कि हमारे आस-पास के पानी के की दिशा सही है या नहीं. जानिए किस दिशा में इन्हें राने से होगा क्या फायदा

उत्तर- इस दिशा में जब हम पानी से जुड़ी चीज राते हैं तो यह हमारे करियर के लिए फायदेमंद होता है। इससे करियर में कई अपॉर्च्युनिटीज मिलती हैं और करियर स्मूथ तरीके से आगे बढ़ता है। पूर्व दिशा में अगर आपने फाउंटेन या कोई दूसरी वॉटर बॉडी भी हुई है तो यह अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि का सूचक है। इसलिए जब भी पानी से जुड़े किसी स्रोत की दिशा निर्धारित करनी हो, तो उत्तर और पूर्व ही सर्वश्रेष्ठ दिशाएं मानी जाती हैं।

इन बातों का ध्यान

पानी अगर गलत दिशा में हो तो इसके दुष्परिणाम भी आपको झेलने पड़ सकते हैं। इन बातों को ध्यान में राकर आप किसी भी तरह के दुष्परिणाम से बच सकते हैं।

साउथ ईस्ट यानि दक्षिण-पूर्व दिशा में पानी का कोई स्रोत नहीं होना चाहिए.चाइनीज का मानना है कि इस जोन में राने से पैसों का भारी नुकसान झेलना पड़ सकता है।

अपने घर के एक्वेरियम, फाउंटेन या स्विमिंग पूल को हमेशा साफ-सुथरा हो। गंदा पानी हमेशा निगेटिव एनर्जीस को अट्रैक्ट करता है।

घर के बेडरूम में कोई भी वॉटर फीचर न हो।

अगर आपको वॉटर फीचर राना ही है तो इन्हें घर के लिविंग रूम, बालकनी या गार्डेन में हों।

कौन ज्यादा मनहूस आप या वो?

एक नगर में एक व्यक्ति इसीलिए मशहूर हो गया कि उसका चेहरा मनहूस था। ऐसा उस नगर में रहने वाले लोग कहते थे। यह बात जब राजा के पास पहुंची तो इस धारणा पर उन्हें विश्वास नहीं हुआ। राजा ने उस व्यक्ति को अपने महल में रख लिया और सुबह उठते ही उस व्यक्ति का मुंह देखा। इस तरह राजा अपने दैनिक कार्यों में व्यस्त हो गए। व्यस्तता इतनी अधिक थी कि उस दिन राजा भोजन भी न कर सके। शाम होते ही उन्हें पूरा यकीन हो गया कि यह व्यक्ति वाकई में मनहूस है। उन्होंने उस व्यक्ति को फांसी पर चढ़ाने का आदेश दे दिया। राजा के मंत्री को यह बात पता चली तो वह राजा से मिले। मंत्री ने राजा से कहा, आप इस निर्दोष को दंड क्यों सुना रहे हैं। राजा ने कहा, इस मनहूस का चेहरा सुबह देखने के बाद आज सुबह से ही भोजन नसीब नहीं हुआ। मंत्री ने कहा, क्षमा करें महाराज! इस व्यक्ति ने भी सबसे पहले आपका मुंह देखा और शाम को उसे मृत्युदंड सुनाया गया।

अब आप ही तय करें करें कि कौन ज्यादा मनहूस आप या वो? राजा को मंत्री की बात समझ आ गई और उस व्यक्ति को मृत्यु दंड नहीं दिया गया और ससम्मान पूर्वक विदा किया गया।

संक्षेप में दरअसल किसी भी व्यक्ति का चेहरा मनहूस नहीं होता। वह तो भगवान की देन है। मनहूसियत हमारे देखने या सोचने के ढंग में होती है। यह नजरिया आपको पीछे धकेलता है और नजरिया सही हो तो जिंदगी बेहतर बन जाती है।

नहीं हो रहा विवाह तो आजमाएं ये उपाय

यदि किसी युवक और युवती का विवाह नहीं हो रहा है उसे ज्योतिष शास्त्र के कुछ उपाय आजमाना चाहिए। यह उपाय किसी विद्वान ज्योतिषी की सलाह पर आजमाएं। ऐसा करने पर विवाह में आ रहे व्यवधान दूर हो जाते हैं। कभी-कभी ग्रहों की स्थिति के कारण होता है। तो कभी जन्मकुंडली में दोष होने के कारण विवाह में देरी होती है।

यदि विवाह के अवसर पर किसी कन्या की मेहंदी की रस्म हो रही हो तो यदि अविवाहित कन्या उसे मेहंदी लगाए तो उसका विवाह शीघ्र होता है।

मंगली होने के कारण यदि कन्या विवाह न हो रहा हो तो वह प्रत्येक मंगलवार को मूंगे की माला से निम्न लिखित मंत्र का 11 जप करें।

मंत्र: ऊं ह्रीं क्लीं सर्वपूज्ये देवि मंगल चण्डिके हूं फट् स्वाहा।

गुरुवार को केले, पीपल या बरगद के वृक्ष में जल अर्पित करें शीघ्र विवाह होगा।

जिस युवक का विवाह न हो पा रहा हो तो 21 मंगलवार को संध्या समय किसी भी हनुमान मंदिर में जाकर उनके माथे से थोड़ा सा-सिंदूर लेकर उसी मंदिर में राम-सीता की मूर्ति चरणों में लगा दें और शीघ्र विवाह हेतु उनसे निवेदन करें।

आयु होने पर यदि कन्या का विवाह में वाधा आ रही हो तो शुक्रवार की रात्रि 8 सूखे छुआरे जल में अच्छी तरह उबालकर जल सहित ही अपने सिरहाने पर रखकर सोएं शनिवार को बहते जल में प्रवाहित करें।

जिंदगी संकेत में बताती है भविष्य

दो छात्र थे, वो ज्योतिष विद्या में पारंगत एक गुरु से शिक्षा लेकर लौटे थे। उन्हें आजीविका की तलाश थी। दोनों ही ज्योतिष विद्या में पारंगत थे। घर जाते समय वह एक गांव में ठहरे, गांव के कुछ लोग मिलने आए। वे सभी अपने भविष्य के बारे में जानना चाहते थे। एक वृद्ध महिला ने पहले छात्र से पूछा, 'मेरा बेटा कई वर्षों से विदेश पढ़ाई के लिए गया हुआ है। उसके बारे में कोई खबर नहीं है।.... वह घर कब आएगा? तभी अचानक गलती से उस वृद्धा के सिर पर रखी मटकी गिर कर टूट गई।'

तब पहले छात्र ने कहा, 'आपके पुत्र के साथ कोई हादसा हुआ है, अब वह नहीं लौटेगा। यह सुनते ही वृद्ध महिला रोने लगी।' तभी वहां गांव के मुखिया भी पहुंचे। उन्होंने रोती हुई उस महिला से कहा, 'माता जी आप धीरज रखिए। शायद ये युवक ठीक से नहीं बता पाया हो।'

तब वह वृद्ध महिला दूसरे छात्र के पास पहुंची, और अपनी समस्या को बताया। उसने कुछ देर तक चिंतन- मनन किया। और कहा, माताजी आप घर जाइए आपका बेटा आपकी राह घर पर देख रहा है। वृद्ध महिला जब घर पहुंची तो उसने देखा सचमुच उसका लड़का घर पर उसकी राह देख रहा था। इस बात से वह बहुत खुश हो गई।

जब यह बात पहले छात्र को पता चली तो उसने दूसरे छात्र से पूछा, 'मित्र तुम्हें इस बात का पता कैसे चला।' तब उसने बताया, 'मित्र मैंने देखा कि वृद्ध माता को अपने बेटे से मिलने की चाह चरम तक पहुंच चुकी है। मटका टूटने से जल फैल गया। मटके का भूमि से मिलन हुआ। ये लक्षण मुझे पुर्नमिलन के बारे में बताते हैं। और मैंने वही किया।'

क्यों और किसे होता है मंगलदोष

जन्म कुंडली में मंगल दोष का होना, कई समस्याओं का कारण हो सकता है। दरअसल मंगल शरीर में रक्त का कारक होता है। ज्योतिष शास्त्र में मंगल देव को लाल रंग का प्रतिनिधित्व करने वाला ग्रह माना गया है।

जन्म कुंडली में यदि मंगल दोष हो तो विवाह संबंधी परेशानियों, रक्त संबंधी बीमारियों और भूमि-भवन जैसी समस्याएं रहती हैं। मंगल दोष जातक को तभी होता है जब कुंडली के लग्न भाव, चतुर्थ भाव, सप्तम भाव, अष्टम भाव और द्वादश भाव में मंगल स्थित होता है।

यदि मंगल 1 भाव में रख कर 4, 7 और 8 भाव पर दृष्टि करता है। तो 1 व्यक्ति के चरित्र व को दर्शाता है। इस कारण से व्यक्ति बहुत आवेगी और तुरंत गुस्सा करने वाला हो सकता है। 7 वें भाव में हो तो वैवाहिक जीवन में बाधायें आती हैं। 8 वें भाव में होने से भयंकर दुर्घटना हो सकती है। इस प्रकार लग्न में मंगल का बैठना अशुभ माना जाता है।

यदि मंगल 4 भाव में हो है तो यह 4 के साथ 7, 10 और 11 को भी प्रभावित करेगा। हमने 4 और 7 के प्रभावित प्रभावों को देखा है। प्रभावित 10वां भाव व्यवसाय में तेजी से बदलाव, अनिद्रा और पिता से तनाव का कारण हो सकता है। 11 वें भाव के प्रभावित होने से चोरी या दुर्घटना में हानि हो सकती है। इसलिए 4 थे भाव में मंगल बहुत अच्छा नहीं है।

अगर मंगल 12 वें भाव में हो तो यह 3, 6 और 7 भाव को प्रभावित करता है। 12 वां भाव व्यक्ति की आदतों को दर्शाता है। इससे व्यक्ति खर्च की अधिकता के बोझ तले दब जाता है।

यदि मंगल 7 वें भाव में हो तो यह 10, 1 और 2 को प्रभावित करता है। 7वां भाव वैवाहिक जीवन और जीवनसाथी का स्थान होता है। इसलिए यहां मंगल का होना वैवाहिक जीवन में कठिनाइयों का सूचक है। 2 रे भाव में मंगल पारिवारिक सदस्यों के बीच विवाद पैदा करता है।

यदि मंगल 8 वें घर में बैठा है तो यह 11, 2 और 3 को प्रभावित करेगा। व्यक्ति आग, रसायन या बिजली से जानलेवा दुर्घटना का शिकार हो सकता है। यदि 3रां घर मंगल से दृष्ट है तो भाई बहन में तनाव होता है। यह व्यक्ति को बहुत कठोर और हठी बना देता है। इसलिए 8 वें घर में मंगल का होना अच्छा नहीं है।

विजेंदर सिंह का पहला पेशेवर खिताबी मुकाबला 11 जून को दिल्ली में

नई दिल्ली। भारत के स्टार मुक्केबाज विजेंदर सिंह का पहला पेशेवर खिताबी मुकाबला दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में 11 जून को हो सकता है। इसे मंजूरी देने वाली संस्था विश्व मुक्केबाजी संगठन (डब्ल्यूबीओ) ने वादा किया है कि यह ऐतिहासिक होगा। पेशेवर मुक्केबाजी में विजेंदर ने अब तक केवल तीन मुकाबले लड़े हैं लेकिन तीनों में उन्होंने नॉकआउट में जीत दर्ज की। वह डब्ल्यूबीओ मिडिलवेट या सुपर मिडिलवेट खिताब के लिये लड़ेंगे। उनके प्रतिद्वंद्वी पर फैसला अगले कुछ सप्ताहों में किया जाएगा।

विजेंदर के ब्रिटिश स्थित प्रमोटर्स फ्रांसिस वारेन ने कहा कि यह उसके लिये अपने पहले खिताब के लिये लडऩे का सही समय है। असल में यह निश्चित तौर पर वित्तीय रूप से सही समय है क्योंकि हमारा मानना है कि उसके लिये भारत में लडऩा बहुत बड़ी बात होगी। जून के मुकाबले से पहले उसे ब्रिटेन में तीन फाइट करनी हैं। इनमें से पहली 12 मार्च को लिवरपूल, 2 अप्रैल और 30 अप्रैल को होगी। कुछ समय के विश्राम के बाद वह या तो डब्ल्यूबीओ मिडिलवेट या सुपर मिडिलवेट खिताब के लिए लड़ेगा।

उन्होंने कहा कि विजेंदर पिछले कुछ समय से घर से बाहर है और इसलिए यह उसके लिये अच्छा होगा कि वह अपने लोगों के साथ रहे और समय भी बहुत अच्छा है।

नीरजा : हीरोइन ऑफ हाईजैक

यह शानदार फिल्म साहसी नीरजा भनोट की बेमिसाल सत्यकथा पर केन्द्रित है जिसकी बहादुरी ने 1986 में 360 लोगों की जान बचाई थी। दरअसल मुम्बई से न्यूयॉर्क की फ्लाइट पैन ?म-73 को कराची में चार आतंकवादियों ने अपहृत कर सारे यात्रियों को बंधक बना लिया। नीरजा उस विमान में सीनियर पर्सर के रूप में नियुक्त थीं और उन्हीं की तत्काल सूचना पर चालक दल के तीन सदस्य विमान के कॉकपिट से तुरंत सुरक्षित निकलने में कामयाब रहे। अब सबसे वरिष्ठ विमानकर्मी के रूप में यात्रियों की जिम्मेदारी नीरजा पर थी और जब 17 घंटों के बाद आतंकवादियों ने यात्रियों की हत्या शुरू कर विमान में विस्फोटक लगाने शुरू किये तो नीरजा विमान का आपातकालीन दरवाजा खोलने में कामयाब हुई और यात्रियों को सुरक्षित निकलने का रास्ता मुहैय्या कराया। वे चाहतीं तो दरवाजा खोलते ही खुद पहले निकल सकती थीं पर ऐसा न करके उन्होंने पहले यात्रियों को निकालने का प्रयास किया। इसी प्रयास में तीन बच्चों को निकालते हुए जब एक आतंकवादी ने बच्चों पर गोली चलानी चाही तो नीरजा ने बीच में आकार मुकाबला किया जिस दौरान आतंकवादी की गोलियों की बौछार से उनकी मृत्यु हुई। नीरजा को मरणोंपरांत भारत सरकार ने अदभुत वीरता और साहस के लिए सर्वोच्च शांतिकालीन वीरता पुरस्कार अशोक चक्र से सम्मानित किया चूँकि वीरगति के समय नीरजा भनोट की उम्र 23 साल थी इसलिए यह पदक प्राप्त करने वाली पहली महिला और सबसे कम आयु की नागरिक भी बन गईं। वर्ष 2004 में उनके सम्मान में भारत सरकार ने एक डाक टिकट भी जारी किया ये ही नहीं पाकिस्तान सरकार की ओर से भी उन्हें तमगा-ए-इन्सानियत से नवाज़ा गया और अमेरिका ने वर्ष 2005 में उन्हें जस्टिस फॉर क्राइम अवार्ड दिया। नीरजा के इस वीरतापूर्ण आत्मोत्सर्ग ने उन्हें अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर हीरोइन ऑफ हाईजैक के रूप में मशहूरियत दिलाई। अब फिल्म की बात करे तो निर्देशक राम माधवानी इस विषय पर फिल्म बनाने के लिए बधाई के पात्र है। दो घंटे की ये फिल्म आपको पलक झपकाने का भी मौका नहीं देगी और इसका अंत बिना अश्रू बहाए नहीं देखा जा सकता।

ये सच्चे अश्रु ही नीरजा को दर्शकों की सच्ची श्रंद्धांजलि है। इस फिल्म के बाद सोनम सिर्फ एक फैशन आइकॉन ही नहीं बल्कि एक सशक्त अभिनेत्री के तौर पे जाने जाएगी। ये निसंदेह इनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है जिस पर उनके पिता अनिल कपूर को भी नाज होगा। वही शबाना आजमी ने भी नीरजा की माँ के किरदार को जीवंत बना दिया। वो अदाकारी की एक चलती फिरती संस्थान है जिनके अभिनय का विश्लेषण करना सूरज को दिया दिखाने जैसा है। ये फिल्म आपके मन को झकझोर के रख देगी और इसे जरूर देखे। सरकार को भी ऐसी प्रेरणास्पद फिल्म को टैक्स फ्री कर देना चाहिए। नीरजा के शौर्य को दंडवत नमन के साथ इस फिल्म की त्रिकाल रेटिंग 5 में से 4 है।

★★★★ *अजय सिसोदिया*

आयुर्वेद
व
होमियोपैथी

अनुभवी
डॉक्टरों द्वारा घर बैठे पायें
उचित परामर्श व दवाईयां

आयुष समाधान

FOR MORE DETAILS & BENIFITS VISIT OUR WEBSITE FOR REGISTRATION
www.ayushsamadhaan.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : पराग वराडपांडे द्वारा दिशागोचर पब्लिकेशन 26 बी, प्रेस काम्पलेक्स एम.पी. नगर, जोन-1 से मुद्रित कराकर, प्लाट नं. -12, सेक्टर-ए, परस्पर सोसायटी चूनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक: पराग वराडपांडे, मो. 9826051505, E-mail: parag073@gmail.com (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)

SAAP SOLUTIONS
Explore New Digital World

* All Types of Website Designing (Static Website, Dynamic Wel
Ecommerce Site, Responsive/Adaptive Design, Customer focu

* Logo Designing by Experts

* Bulk SMS Services

For more details Visit our website saapsolution.com
For Enquires contact on 9425313619, Email-info@saapsolut

SAAP SOLUTION

Explore New Digital World

- **All Types of Website Designing**
  (Static Website, Dynamic Website, Ecommerce Site, Responsive/ Adaptive Design, Customer Focused Design)
- **Logo Designing by Experts**
- **Bulk SMS Services**

For more details visit our website saapsolution.com
For enquires contact on 9425313619,
Email: info@saapsolution.com